भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

तारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 94

उत्‍तर देने की तारीख: 09.03.2017

**राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता**

\*94. श्रीमती अम्बिका सोनीः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार/केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने देश भर में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सभी विद्यालयों हेतु राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) की पाठ्य-पुस्तकों को अनिवार्य बनाने का निर्णय लिया है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उपरोक्त परिषद् शैक्षिक सत्र 2017-18 से अपने जिला विक्रेताओं के माध्यम से सभी विषयों की पाठ्यपुस्तकें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध करवाने के लिए तैयार है; यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या परिषद् की पुस्तकों के समय पर उपलब्ध न होने के बारे में अभिभावकों की शिकायतों से निपटने के लिए कोई प्रकोष्ठ बनाया गया है; और

(घ) यदि नहीं, तो सरकार/केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अभिभावकों की शिकायतों का किस प्रकार से समाधान करेगी/करेगा?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्री प्रकाश जावडेकर)**

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**\*\*\*\*\***

**“राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता’’ के संबंध में माननीय संसद सदस्‍य श्रीमती अम्बिका सोनी द्वारा दिनांक 09.03.2017 को पूछे जाने वाले राज्‍य सभा तारांकित प्रश्‍न संख्‍या 94 के भाग (क) से (घ) के उत्‍तर में उल्लिखित विवरण**

(क) से (घ): केन्‍द्रीय माध्‍यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध स्‍कूल मुख्‍य रूप से राष्‍ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद/केन्‍द्रीय माध्‍यमिक शिक्षा बोर्ड (एनसीईआरटी/सीबीएसई) द्वारा प्रकाशित पाठ्यपुस्‍तकों का अनुसरण करते हैं। मंत्रालय में निजी प्रकाशकों की पुस्‍तकों की खरीद के लिए अत्‍यधिक राशि व्‍यय करने के संबंध में अभिभावकों और जन सामान्‍य से समय-समय पर शिकायतें प्राप्‍त होती हैं। ऐसी शिकायतों के दृष्टिगत, सीबीएसई ने सीबीएसई संबद्ध स्कूलों के लिए एनसीईआरटी पाठ्यपुस्‍तकों की आवश्‍यकता हेतु ऑनलाइन मांग के लिए फरवरी, 2017 में अपनी वेबसाइट ([www.cbse.nic.in](http://www.cbse.nic.in)) पर एक लिंक बनाया है जिससे अभिभावकों और विद्यार्थियों को सुविधा हो सके। यह सुविधा ऑनलाइन उपलब्‍ध कराई गई है जिसके परिणामस्‍वरूप सीबीएसई संबद्ध स्‍कूलों से एनसीईआरटी पाठ्यपुस्‍तकों की भारी संख्‍या में मांग प्राप्‍त हुई है। एनसीईआरटी और सीबीएसई ने एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्‍तकों की अनुपलब्‍धता संबंधी शिकायतों का समाधान करने के लिए सहयोग भी किया है।

\*\*\*\*\*